NEWS CLIPPING: 09.08.2020

PUNJAB KESARI

शिक्षा और व्यवस्था में भारतीयकरण के विचार को संस्थागत बनाने की जरूरत : अजीत बालाजी जोशी

भारतीयता के सिद्धांतों को अपनाने और लागू करने में योगदान दें विश्वविद्यालय: मुकुल कानिटकर

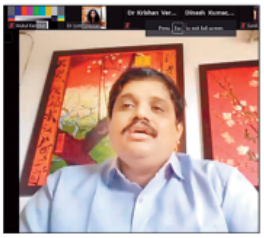

फरीदाबाद, 8 अगस्त (पूजा शर्मा): हरियाणा उच्चतर एवं तकनीकी शिक्षा के महानिदेशक अजीत बालाजी जोशी ने शिक्षा एवं व्यवस्था में भारतीयकरण के विचार को संस्थागत बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि भारतीयकरण एक व्यापक संकल्प है, जिसके लिए इस दिशा में कार्य कर रही संस्थाओं को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीयकरण के विचार को विश्वविद्यालय स्तर पर अपनाने के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग प्रतिबद्ध है। जोशी आज भारतीय शिक्षण मण्डल और जेसी बोस विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 'वर्तमान युग में भारतीयता की पुर्नस्थापना' विषय पर आयोजित दो दिवसीय ई-सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। सत्र में भारतीय शिक्षण मंडल के संगठन मंत्री मुकुल कानिटकर मुख्य वक्ता तथा जेसी बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

जोशी ने कहा कि भारतीयत्व एक ऐसा विषय है, जिस पर हमेशा दबी जुबान में बातें होती रही है, लेकिन अब समय है कि इस विषय पर खुलकर बात की जाये। उन्होंने कहा कि भारतीयत्व के संकल्प के साथ लागू की गई नई शिक्षा नीति के बाद यह देखना अहम हो गया है कि इस विचार को संस्थागत रूप से कैसे अपनाया जाए। हरियाणा के राखीगढ़ी में सिंधू घाटी स यता के अवशेषों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब तक भारतीयों के संबंध में आर्यन इनवेजन थ्योरी को लेकर बात की जाती थी, लेकिन राखीगढ़ी में सिंधू घाटी सभ्यता के अवशेषों ने इस बात को प्रमाणित किया है कि भारतीय सभ्यता का विकास को सरस्वती-सिंधू घाटी सभ्यता से जोड़कर देखा जाना चाहिए जोकि 8 हजार साल पुराना इतिहास है और इस विषय को वैज्ञानिक तरीके प्रस्तुत करने और विभिन्न मंचों पर रखने की आवश्यकता है। स मेलन में अपने मुख्य वक्तव्य में मुकुल कानिटकर ने जीवन के प्रत्येक अंग में परम्परा के रूप में भारतीयता को पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि जब तक हम अपने अंदर भारतीयत्व को जागृत नहीं करते, तब तक हम संस्थागत भारतीयता को नहीं प्राप्त कर सकते। व्यवस्था में भारतीयत्व को स्थापित करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को चरित्र से भारतीय होना होगा। कानिटकर ने वर्ष 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षण, वर्ष 2015 में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तथा वर्ष 2020 में नई शिक्षा नीति और श्रीराम मंदिर की आधारशिला की घटनाओं को भारतीयता की पुनर्स्थापना की दिशा में ऐतिहासिक पल बताया।

'वर्तमान युग में भारतीयता की पुर्नस्थापना' विषय पर ई- सम्मेलन आयोजित

सम्मेलन को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि भारत में वैज्ञानिक शोध और शैक्षणिक गतिविधियां तब से विद्यमान है, जब पश्चिमी देशों का अस्तित्व भी नहीं था। विश्व को संस्कृत भाषा, ज्यामिती, शून्य और आयुर्वेद जैसी अनेक खोज भारत ने दी है। कोरोना काल में रोग प्रतिरोधकता को बढ़ने में आयुर्वेद का अहम योगदान रहा है।

इससे पहले सम्मेलन के संयोजक प्रो. ऋषिपाल ने सम्मेलन उद्देश्यों तथा इसके विषयों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। भारतीय शिक्षण मंडल के प्रांच सचिव सुनील शर्मा ने शिक्षा मंडल का परिचय एवं कार्यों के बारे में जानकारी दी। जे.सी. बोस विश्वविद्यालय डिप्टी डीन रिसर्च तथा स मेलन के संयोजक डॉ. राजीव साहा ने सत्र के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

उन्होंने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन में देशभर से लगभग 250 प्रतिभागी से ज्यादा हिस्सा ले रहे है। सम्मेलन के विभिन्न 12 तकनीकी सत्रों में 68 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके अलावा, सम्मेलन के उपविषयों पर चर्चा के लिए पांच प्लेनरी सत्र आयोजित किये जायेंगे, जिसकी अध्यक्षता विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति करेंगे, जिसमें श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय से राज नेहरू, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय नोएडा से प्रो. भगवती प्रकाश शर्मा, श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय कुरूक्षेत्र से डॉ. बलदेव सिंह धीमान, एसवीवाईएसए विश्वविद्यालय बेंगलूरू से प्रो. रामचंद्र भट्ट और इग्नू नई दिल्ली से प्रो. नागेश्वर राव शामिल हैं।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Sun,09 August 2020
Edition: faridabad kesari, Page no. 3

NEWS CLIPPING: 09.08.2020

THE PIONEER

'वर्तमान युग में भारतीयता की पुर्नस्थापना' पर ई-सम्मेलन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा उच्चतर एवं तकनीकी शिक्षा के महानिदेशक अजीत बालाजी जोशी ने शिक्षा एवं व्यवस्था में भारतीयकरण के विचार को संस्थागत बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि भारतीयकरण एक व्यापक संकल्प है। जिसके लिए इस दिशा में कार्य कर रही संस्थाओं को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीयकरण के विचार को विश्वविद्यालय स्तर पर अपनाने के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग प्रतिबद्ध है।

जोशी शनिवार को भारतीय शिक्षण मण्डल और जेसी बोस विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 'वर्तमान युग में भारतीयता की पुर्नस्थापना' विषय पर आयोजित दो दिवसीय ई-सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। सत्र में भारतीय शिक्षण मंडल के संगठन मंत्री मुकुल कानिटकर मुख्य वक्ता तथा जेसी बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

जोशी ने कहा कि भारतीयत्व एक ऐसा विषय है, जिस पर हमेशा दबी जुबान में बातें होती रही हैं, लेकिन अब समय है कि इस विषय पर खुलकर बात की जाये। सम्मेलन में अपने मुख्य वक्तव्य में मुकुल कानिटकर ने जीवन के प्रत्येक अंग में परम्परा के रूप में भारतीयता को पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि जब तक हम अपने अंदर भारतीयत्व को जागृत नहीं करते, तब तक हम संस्थागत भारतीयता को नहीं प्राप्त कर सकते।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि भारत में वैज्ञानिक शोध और शैक्षणिक गतिविधियां तब से विद्यमान है, जब पश्चिमी देशों का अस्तित्व भी नहीं था।

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय डिप्टी डीन रिसर्च तथा सम्मेलन के संयोजक डॉ. राजीव साहा ने सत्र के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव रखा। सम्मेलन के विभिन्न 12 तकनीकी सत्रों में 68 शोध पत्र प्रस्तुत किये जायेंगे। इसके अलावा, सम्मेलन के उपविषयों पर चर्चा के लिए पांच प्लेनरी सत्र आयोजित किये जायेंगे। जिसकी अध्यक्षता विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति करेंगे। जिसमें विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय से राज नेहरू, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय नोएडा से प्रो. भगवती प्रकाश शर्मा, कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय कुरूक्षेत्र से डॉ. बलदेव सिंह धीमान, एसवीवाईएसए विश्वविद्यालय बेंगलूरू से प्रो. रामचंद्र भट्ट और इग्नू नई दिल्ली से प्रो. नागेश्वर राव शामिल हैं। प्लेनरी सत्र को भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय अनुसंधान प्रमुख प्रो. बीए चोपड़ा ने भी संबोधित करेंगे।

NEWS CLIPPING: 09.08.2020

DAINIK BHASKAR

शिक्षा व व्यवस्था में भारतीयकरण के विचार को संस्थागत बनाने की जरूरत: अजीत बालाजी

फरीदाबाद| हरियाणा उच्चतर एवं तकनीकी शिक्षा के महानिदेशक अजीत बालाजी जोशी ने शिक्षा एवं व्यवस्था में भारतीयकरण के विचार को संस्थागत बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि भारतीयकरण एक व्यापक संकल्प है, जिसके लिए इस दिशा में कार्य कर रही संस्थाओं को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीयकरण के विचार को विश्वविद्यालय स्तर पर अपनाने के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग प्रतिबद्ध है।

NEWS CLIPPING: 09.08.2020

DAINIK JAGRAN

राष्ट्रहित में चिंतन की जरूरत : डा. सच्चिदानंद

जासं, फरीदाबाद : भारतीय शिक्षण मंडल एवं जेसी बोस विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में वर्तमान युग में भारतीयता की पुनर्स्थापना विषय पर आयोजित दो दिवसीय आनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन रविवार को संपन्न हुआ। मुख्य वक्ता भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. सच्चिदानंद जोशी, मुख्य अतिथि राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक एवं उपन्यासकार निदेशक डॉ. राजेश बिनीवाले, विशिष्ट अतिथि जेसी बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अपने विचार रखे। डा. सच्चिदानंद ने कहा कि हमें आत्ममंथन, राष्ट्र हित में चिंतन करने की जरूरत है। काम, क्रोध, मद, लोभ, मोह, अहम ने हमें जकड़ लिया है। डॉ.राजेश बिनीवाले ने कहा कि हमें चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथी पद्धति में अनुसंधान एवं शोध के लिए केंद्र स्थापित कर विकसित करने की जरूरत है। कुलपति प्रो.दिनेश कुमार ने कहा कि वैश्विक महामारी के दौर में भारतीय संस्कृति एवं आयुर्वेदिक पद्धति ने हमें संक्रमण से बचाया है। प्रांत मंत्री सुनील शर्मा ने सभी अतिथियों, आयोजकों एवं सहभागी शिक्षाविदों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ.ऋषि पाल एवं सह संयोजक डॉ.राजीव साहा थे। कार्यक्रम का सफल संचालन डा. ज्योति श्योराण ने किया।